University in News on 05 June 2022

University of Lucknow | Centenary Year

लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

उपलब्धि — पहले प्रयास में सफलता, पढ़ाई संग की थी तैयारी

लविवि : बीटेक छात्र का सीडीएस में चयन

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के छात्र रोहित सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस-2) 2021 की परीक्षा में पहले ही प्रयास में सफलता पाई है। यही नहीं, रोहित ने वायु सेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक 12वीं, भारतीय नौ सेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक 25वीं और भारतीय सैन्य अकादमी में ऑल इंडिया रैंक 56वीं हासिल की है।

रोहित ने कहा कि बचपन से ही देश सेवा के लिए सेना में जाना चाह रहा था। इसके लिए सीडीएस की तैयारी शुरू की। कमियों को पहचाना और सुधारने की कोशिश की। इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ सीडीएस की तैयारी की। खुद के नोट्स बनाकर परीक्षा के हर पहलू को ठीक से समझा। रोहित ने कहा कि तैयारी में विषयों को काफी गहराई से पढ़ना-समझना चाहिए।

छात्र रोहित सिंह।

रोहित ने बताया कि उनकी सफलता में पिता रतन सिंह जो सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर हैं, मां सुनीता सिंह व बड़े भाई दिवाकर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विश्वविद्यालय में भी पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन व माहौल मिला। रोहित की सफलता पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, इंजीनियरिंग संकाय के प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता व प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी प्रतियोगिता में सीएमएस के छात्रों ने पाई सफलता

लखनऊ। 17 देशों के मध्य इंटरनेशनल इंग्लिश कंपटीशन में सिटी मांटेसरी स्कूल, यूनाइटेड वर्ल्ड कैंपस के पांच छात्रों ने प्रतिभा का परचम लहराया है। इंटरनेशनल बेंचमार्क टेस्ट (आईबीटी) के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी प्रतियोगिता में अजेशवीर, भव्या मध्यान, नम्रता कलानी को सर्टिफिकेट ऑफ हाई डिस्टिंक्शन से व अशिता शर्मा एवं नैरित्य मिश्रा को सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन देकर सम्मानित किया गया है। सीएमएस संस्थापक डॉ. जगदीश गांधी ने मेधावियों को बधाई दी है। यह प्रतियोगिता आस्ट्रेलियन काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च के तत्वावधान में आयोजित हुई थी। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू छात्र रोहित को सीडीएस में सफलता मिली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस छात्र रोहित सिंह ने कंबाइंड डिफेंस सर्विसेस 2021 की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की। लिखित परीक्षा एवं एसएसबी इंटरव्यू पास कर रोहित सिंह ने वायु सेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक – 12, भारतीय नौसेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक– 25 और भारतीय सैन्य अकादमी में ऑल इंडिया रैंक – 56 हासिल की।

i-NEXT PAGE 2

डॉ. अभिमन्यु बने संस्कृत विभाग के समन्वयक

LUCKNOW : लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिमन्यु सिंह को विभाग का समन्वयक नियुक्त किया गया है. कुलपति के आदेश पर उन्हें संस्कृत विभाग में शैक्षणिक एवं दैनिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए यह जिम्मेदारी दी गई है. कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने शनिवार को पत्र जारी कर दिया है.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : बीटेक के छात्र रोहित सिंह सीडीएस में चयनित

सीडीएस की परीक्षा में चयनित छात्र रोहित सिंह को प्रो. आरएस गुप्ता ने माला पहनाकर दी बधाई • सौ. : स्वयं

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र रोहित सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की कंबाइंड डिफेंस सर्विसेस (सीडीएस-2) 2021 की परीक्षा पहले प्रयास में पास कर ली।

लिखित परीक्षा व एसएसबी इंटरव्यू को पास कर रोहित ने वायु सेना अकादमी में आल इंडिया इंडिया 12वीं रैंक, भारतीय नौसेना अकादमी में 25वीं और भारतीय सैन्य अकादमी में आल इंडिया 56वीं हासिल की। परिणाम तीन जून की शाम को जारी हुए थे। छात्र की सफलता पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और संकाय के ईंचार्ज प्रो. आरएस गुप्ता ने बधाई दी।

राजाजीपुरम पारा के रहने वाले रोहित बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र हैं। उन्होंने बताया कि पापा रतन सिंह सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर हैं। उनसे ही मुझे प्रेरणा मिली है। एसएसबी के लिए नियोजित तरीके से ही तैयार कर सफलता पाई जा सकती है। रोहित ने अपनी सफलता का श्रेय पिता, माता सुनीता सिंह और बड़े भाई दिवाकर सिंह को दिया। यह भी कहा कि वह अगले महीने भारतीय सैन्य अकादमी में ज्वाइन करेंगे। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट ईंचार्ज डा. हिमांशु पांडे ने भी रोहित को शुभकामनाएं दीं।

अंजली बनी सहायक प्रोफेसर

लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में रिसर्च स्कालर अंजली यादव का चयन उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा आयोग की ओर से सहायक प्रोफेसर के रूप में हुआ है।

डा. अभिमन्यु बने संस्कृत विभाग के समन्वयक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. अभिमन्यु सिंह को विभाग का समन्वयक नियुक्त किया गया है। कुलपति के आदेश पर उन्हें संस्कृत विभाग में शैक्षणिक एवं दैनिक कार्यों के सुचारू संचालन के लिए यह जिम्मेदारी दी गई है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने शनिवार को पत्र जारी कर दिया है।। (जासं)

विषय विशेषज्ञ भेजने की प्रक्रिया शुरू

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त महाविद्यालयों में शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए अब विश्वविद्यालय के पास उनके अभिलेख भेजने की जरूरत नहीं है। अब विश्वविद्यालय ने विशेष विशेषज्ञ भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी। शनिवार को कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है। इसमें बताया गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रोन्नति समिति के लिए प्राप्त प्रस्तावों के परिप्रेक्ष्य में विषय विशेषज्ञ नामित किए जा रहे हैं।

लवि ने जारी किए एमए एमएससी के परिणाम

जासं, लखनऊ : लवि ने शनिवार को चार पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। इसमें एमएससी तृतीय सेमेस्टर फूड प्रोसेसिंग, बीए आनर्स पांचवें सेमेस्टर एआइएच, एमए वेस्टर्न हिस्ट्री तृतीय सेमेस्टर और एमए पर्शियन तृतीय सेमेस्टर है। परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर देख सकते हैं।

THE PIONEER PAGE 3

50 selected for 'Karmayogi' scheme

Lucknow (PNS): Lucknow University has announced results for the phase-2 of in-house paid internship programme called 'Karmayogi'. As many as 245 students had applied and 50 students were selected after screening, LU spokesperson Durgesh Srivastava said.

'Karmayogi' is one of the in-house internship programmes started under the leadership of Vice-Chancellor Prof AK Rai for the holistic development of students. They can earn by doing part-time work in the university campus itself while learning and understanding the importance of hard work.

In a programme organised on this occasion, Rai congratulated the selected students and said that the 'Karmayogi' scheme would help in bringing out the best of the young minds.

"The scheme will benefit these students not only in honing their soft and professional skills but also in boosting their morale for financial independence," he said.

DSW Poonam Tandon said the 'Karmayogi' scheme was floated last year and the students selected in the first phase have already been benefited through it. They have been presented work experience certificates along with the amount of Rs 15,000 for 50-day work at the rate of Rs 150 per hour with a limit of 2 hours per day.

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि के छात्र रोहित को पहले प्रयास में सीडीएस परीक्षा में मिली सफलता

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग छात्र रोहित सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की कंबाइंड डिफेंस सर्विसेस 2021 की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की। लिखित परीक्षा एवं एसएसबी इंटरव्यू को पास कर रोहित सिंह ने वायु सेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक - 12, भारतीय नौसेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक - 25 और भारतीय सैन्य अकादमी में ऑल इंडिया रैंक - 56 हासिल की। रोहित सिंह ने कहा कि बचपन से ही देश सेवा के लिए सेना में जाने का मन था।

सीडीएस की तैयारी के लिए उन्होंने पहले अपनी कमियों को पहचाना और उनको स्वीकार कर खुद को सुधारने की कोशिश की। उन्होंने लगन और कड़ी मेहनत से इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ सीडीएस की तैयारी की। खुद के नोट्स बनाकर परीक्षा के हर पहलू को ठीक से समझा।

TRUE TIMES PAGE 2

रोहित सिंह ने संघ लोक सेवा आयोग की कंबाइंड डिफेंस सर्विसेस 2021 की परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की

ट्रू टाइम्स संवाददाता

लिखित परीक्षा एवं एसएसबी इंटरव्यू को पास कर रोहित सिंह ने वायु सेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक-12, भारतीय नौसेना अकादमी में ऑल इंडिया रैंक-25 और भारतीय सैन्य अकादमी में ऑल इंडिया रैंक-56 हासिल की।

रोहित सिंह के अनुसार उन्हें बचपन से ही देश सेवा के लिए सेना में जाने का मन था। सीडीएस की तैयारी के लिए उन्होंने पहले अपनी कमियों को पहचाना और अपनी कमियों को स्वीकार कर खुद को सुधारने की कोशिश की। उन्होंने लगन और कड़ी मेहनत से इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ सी.डी.एस की तैयारी की , खुद के नोट्स बनाकर परीक्षा के हर पहलू को ठीक से समझा। उनके मुताबिक यहां तैयारी के दौरान महत्वपूर्ण टॉपिक्स को बेहद गहराई के साथ पढ़ना चाहिए और एस.एस.बी. के लिए नियोजित तरीके से तैयारी करनी चाहिए। इस परीक्षा में सही दिशा में कठिन परिश्रम ही सफलता का मूल मंत्र है।

रोहित सिंह ने बताया कि उनकी सफलता में उनके पिता रतन सिंह जो कि सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर हैं, माता सुनीता सिंह एवं बड़े भाई दिवाकर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने बताया कि इंजीनियरिंग संकाय में उन्हें इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए उचित मार्गदर्शन एवं अनुकूल माहौल मिला। इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ हिमांशु पांडे ने बताया कि रोहित सिंह की सफलता कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प, बेहतर रणनीति एवं लक्ष्य पर केंद्रित मन और माता-पिता के प्रयासों का उदाहरण है।उन्होंने साबित कर दिखाया कि कैसे खुद की क्षमताओं पर भरोसा कर सफलता अर्जित की जा सकती है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं इंजीनियरिंग संकाय के इंचार्ज प्रोफेसर आर.एस. गुप्ता ने रोहित सिंह कि इस उपलब्धि पर असीम शुभकामनाएं प्रदान की।